GRUHAM SUNYAM SUTAM BINA

SUBJECT : SANSKRIT

CHAPTER NO 6

CHAPTER NAME:GRUHAM SUNYAM SUTAM BINA

PPT 3

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

CHANGING YOUR TOMORROW

Website: www.odmegroup.org
Email: info@odmps.org

Toll Free: 1800 120 2316
Sishu Vihar, Infocity Road, Patia, Bhubaneswar- 751024

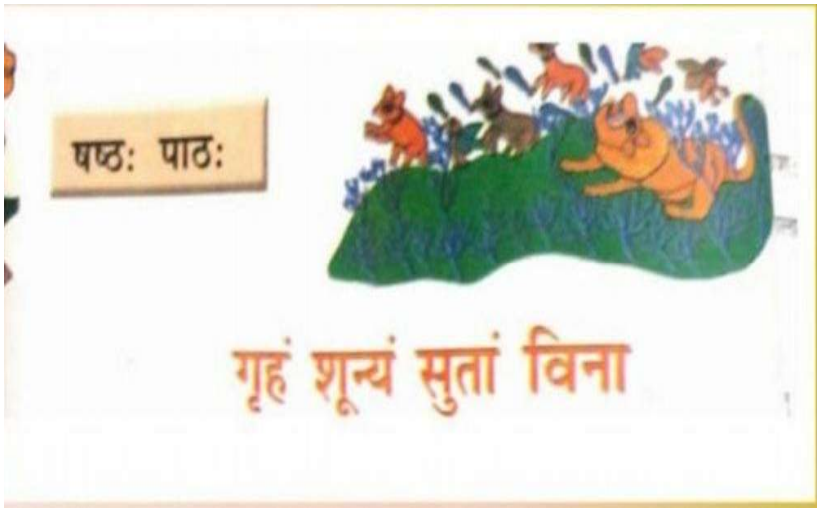

ODM
EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

ODM
EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

Expected Learning Outcome
नार्यः महानता

पूर्वपाठस्य आलोचना —

१. शालिनी भातृजायायाम् किम् अपृच्छत्?

२. सायं भ्राता किम् करोति?

३. चिकित्सिका मालाम् किम् अकथयत्?

४. तस्याः पुत्री कति वर्षीया आसीत्?

५. राकेशः अम्विका किम् प्रददाति?

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

'शालिनी- तर्हि कुक्षि पुत्री अस्ति चेत् हन्तव्या? (तीव्रस्वरेण)
हत्याया: पापं कर्तु प्रवृत्तोडसि त्वम्।
राकेश:- न, हत्या तु न .....
अनुवाद-
शालिनी: तो यदि कोख में पुत्री है तो वह हत्या के योग्य है? (ऊंची आवाज में) तुम हत्या का पाप करने में लगे हो

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

राकेश:- भगिनि, त्वं तु जानासि एवं अस्माकं गृहे अम्बिका पुत्रीरूपेण अस्त्येव अधुना एकस्य पुत्रस्य आवश्यकतास्ति तर्हि.

अनुवाद-

राकेश: बहन तुम तो जानती ही हो कि हमारे घर में पुत्री के रूप में अंबिका है ही, जब एक पुत्र की आवश्यकता है तो.

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

'शालिनी- तरहिं किमस्ति निर्धणं कृत्यमिदम्? सर्वथा विस्मृतवान् अस्माकं जनक: कदापि पुत्रीपुत्रयो: विभेदं न कृतवान्? स: सर्वदैव मनुस्मृते: पंक्तिमिमाम् उद्धरति सम "आत्मा वै जायते पुत्र: पुत्रेण दुर्हिता समा" त्वमपि सायं प्रात: देवीस्तुतिं करोषि? किमर्थ सूष्टे: उत्पादिन्या: शकत्या: तिरस्कारं करोषि? तब मनसि इयती कुत्सिता वृत्ति: आगता, इदं चिन्तयित्वैव अहं कुण्ठिताउस्मि। तव शिक्षा वृथा..

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

शालिनी: तो यह घृणा के योग्य कार्य क्या है? पूरी तरह से भूल गए हो कि हमारे पिता श्री ने कभी पुत्री और पुत्र में भेद नहीं किया? वह हमेशा ही मनुस्मृति की इस पंक्ति का उदाहरण देते थे आत्मा के रुप में हे उत्पन्न होता है पुत्री पुत्र के समान होती हे । तुम भी सुबह शाम देवी की स्तुति करते हो तो सृष्टि की उत्पादन शक्ति का तिरस्कार क्यों करते हो? तुम्हारे मन में इतना दुष्ट विचार आ गया मैं यह सोचकर ही जड़ (पत्थर) हो गई हूं। तुम्हारी शिक्षा ही व्यर्थ हो गई...

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

राकेश:- भगिनि! विरम विर्म। अहं स्वापराधं स्वीकरोमि लज्जितश्चास्मि। अद्यप्रभृति कदापि गर्हितमिदं कार्य स्वप्नेषपि न चिन्तयिष्यामि। यथैव अम्बिका मम हृदयस्थ सम्पूर्णस्नेहस्थ अधिकारिणी अस्ति, तथैव आगन्ता शिशु: अपि स्नेहाधि भविष्यति पुत्र: भवतु पुत्री वा। - अहं स्वगर्हितचिन्तनं प्रति पश्चात्तापमग्न: अस्मि, अहं कथं विस्मृतवान्

अनुवाद-

राकेश बहन रुको रुको मैं अपना अपराध स्वीकार करता हूं अ लज्जित भी हूं और आज से ऐसा गंदा कार्य मैँ सपने में भी न सोचूंगा !जैसे अंबिका मेरे हृदय के पूर्ण नहीं किया अधिकारी वैसे ही आने वाला शिशु भी स्नेह का अधिकारी होगा !पुत्र हो पत्री मैं अपने निंदनीय चिंतन के प्रति पश्चाताप मग्न हूं मैं कैसे गया

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

“यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवता:।
यग्रैता: न पूज्यन्ते सर्वास्तत्राफला: क्रिया:।”
अनुवाद-
"जहां नारियों कु सम्मान होता है वहां देवता निवास करते हैं किंतु जहां इनका सम्मान नहीं होता वहां सारे कार्य निष्फल हो जाते हैं"

अथवा “पितुर्दशगुणा मातेति।” त्वया सम्मार्ग: प्रदर्शित: भगिनि। कनिष्ठाउपि त्वं मम गुरुरसि।
अनुवाद-
अथवा पिता से दस गुना माता होती है तुमने मुझे सनमार्ग दिखाया है !हे बहन !तुम छोटी होते हुए भी मेरी गुरु हो

ODM
EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

या गार्गी श्रुतचिन्तने नृपनये पाञ्चालिका विक्रमे, लक्ष्मी: शत्रुविदारणे गगनं विज्ञानाङ्भणे कल्पना इन्द्रोद्योगपथे चर खेलजगति ख्याताभितः साइना,सेयं स्त्री सकलासु विक्षु सबला सर्वः सदोत्साह्मताम्॥

अनुवाद-

यथार्त: जो स्त्री तत्वों के चिंतन में गार्गी की तरह, राजनीति में पांचाली की तरह, पराक्रम में लक्ष्मी (रानी लक्ष्मी बाई) की तरह, शत्रु के विनाश में आकाश की तरह(असीमित),विज्ञान के क्षेत्र में कल्पना चावला की तरह, उद्योग के पथ पर कठिन परिश्रम करने में इंद्र की तरह, खेल जगत में चारों और प्रसिद्धि पाने वाली साइना की तरह, ऐसी वह स्त्री सभी दिशाओं में सफल हो तथा सभी के द्वारा प्रोत्साहित रहे।

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

१. निघृणं कार्यम् किम् ?
२. कुत्र जायतं पुत्र: पुत्रेण दुहिता समा ?
३. राकेश तस्या: भजिन्याम् किम् ?
४. कुत्र देवता रमन्ते ?
५. कुत्र सर्वस्तत्राफला: क्रिया: ?
६. का अपि स्नेहाधिकारी: भविष्यति ?
७. के विदुषीनार्य: सन्ति ?

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

वाक्यगठनं कुरुत –

दुहिता, निधाय, लज्जितायास्मि, तिरस्कारं, शिक्षा, पूज्यन्ते, नार्यस्तु

सन्धि : –

स्नेहाधिकारी , किमस्ति, स्वप्नेहपि, कृत्यमिदम्, पितृर्दशगुणा, इन्द्रद्योग पथे

गृहकार्य - पठित्वा आगच्छ ।

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

THANKING YOU

ODM EDUCATIONAL GROUP

CHANGING YOUR TOMORROW

Website: www.odmegroup.org
Email: info@odmps.org

Toll Free: 1800 120 2316
Sishu Vihar, Infocity Road, Patia, Bhubaneswar- 751024